वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 266 | शनिवार 21 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सीजन की पहली मावठ, 26 तक पूरे प्रदेश को भिगोएगी

बीकानेर में 9.5 डिग्री पारा; बारिश से और गिरेगा

जयपुर. कासं। शीतलहर और कड़ाके की ठंड के बाद आखिरकार प्रदेश में मावठ ने भी दस्तक दे ही दी। इस बार आधा विंटर सीजन बीतने के बाद पहली बार पश्चिमी इलाकों में बारिश हुई। हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर 2 से 8 मिमी तक बारिश हुई। ठंडी हवाएं चलने से प्रदेश के अन्य इलाकों में ठिठुरन बढ़ गई। बारिश के बाद दिन का पारा भी गिर गया। बीकानेर में रात का पारा 9.5 डिग्री, जबकि दिन का 21.8 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जनवरी तक राज्य के अन्य हिस्सों में भी मावठ के आसार हैं। बीती रात करौली 1.9 डिग्री के साथ सबसे ठंड शहर रहा। इसके अलावा से 20 अधिक स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री कम दर्ज हुआ। वहीं हनुमानगढ़ के रावतसर 8.0, हनुमानगढ़ 6.0, नोहर 5.0, गंगानगर के अनूपगढ़ में 7.0 मिमी बारिश हुई।

पहली बार कांग्रेस को 91 विधायकों के इस्तीफे को लेकर फटकार

स्पीकर, विधानसभा सचिव और विधायकों तीनों से सवाल। "विधायकों के इस्तीफों को लंबे समय तक पैंडिंग रखना हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा देना है"

जयपुर. कासं

कांग्रेस के 91 विधायकों के इस्तीफे को लेकर राजस्थान हाई कोर्ट ने शुक्रवार को तल्ख टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने इस्तीफों पर विधानसभा स्पीकर की ओर से निर्णय नहीं करने से जुड़े मामले में कहा- इस्तीफे पर फैसले के लिए कोई तय अवधि नहीं होना और लंबे समय तक पैंडिंग रखना हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा देना ही है। चीफ जस्टिस पंकज मित्थल ने कहा- विधानसभा स्पीकर ने इस्तीफों पर निर्णय कर लिया है, यह सही है, लेकिन इसके लिए कोई तय समय सीमा तो होनी चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि इन्हें लंबे समय तक पैंडिंग रखा जाए। खंडपीठ ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि पूर्व में विधानसभा सचिव की ओर से पेश किए गए हलफनामे में भी यह जानकारी नहीं थी कि स्पीकर के समक्ष विधायकों ने कब इस्तीफे पेश किए। अभी तक विस्तृत जवाब भी नहीं दिया है। जो जवाब दिया भी है, उसमें केवल इस्तीफे अस्वीकार करने की जानकारी दी गई है, स्पीकर का आदेश नहीं है। सीजे मित्थल व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की पीआईएल पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अपने अधिवक्ता हेमंत नाहटा के साथ अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया।

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय कांफ्रेंस का उद्घाटन समारोह

आर्थिक अपराधों में कमी के लिए लोगों का जागरूक करें सीए: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आमजन को आर्थिक, व्यावसायिक एवं कराधान संबंधी नियम-कानूनों के प्रति जागरूक करने का कार्य करें ताकि आर्थिक अपराधों और भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आ सके। राज्यपाल शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय कांफ्रेंस श्रेयान-2023 के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड एकाउन्टेंसी ऐसा सम्मानित और प्रतिष्ठित पेशा है, जो सही मायने मे अर्थव्यवस्था की रीढ है। उन्होंने कहा कि सीए पेशेवर प्रत्यक्ष एवं

अप्रत्यक्ष कर नियोजन, लेखा, अंकेक्षण आदि विशिष्ट कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा कर देश के आर्थिक विकास में निरंतर योगदान कर रहे हैं। मिश्र ने कहा कि सीए छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, संस्थाओं और व्यक्तियों की आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों का बारीकी से अंकेक्षण कर उन्हें कानून की पालना के लिए तो प्रेरित करते ही हैं, साथ ही देश के अर्थ तंत्र को दुरस्त रखने में भी अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सीए पेशेवरों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में धन के पारदर्शी ढंग से जनहित समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें। राज्यपाल ने कहा कि देश इस वर्ष जी-20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है और आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। ऐसे समय में प्रत्यक्ष कर नियोजन, जीएसटी अनुपालना एवं ऑडिट सहित वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न आयामों में सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग कर इन्हें आसान बनाने के लिए भी सीए पेशेवर प्रयास करें।

बालेसर ब्लॉक स्तरीय शिक्षक अभिनव पुरस्कार कार्यक्रम संपन्न

खारीबेरी. शाबाश इंडिया

शिक्षा विभाग एवं भारती फाउंडेशन के सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में बालेसर ब्लॉक स्तरीय शिक्षक अभिनव पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारीबेरी में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एलिमेंट्री एवं सेकेंडरी दो कैटेगरी में किया गया। एलीमेंट्री कैटेगरी में कुल 34 राजकीय विद्यालयों के शिक्षक- शिक्षिकाओं ने भाग लेकर शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रस्तुतीकरण मॉडल एवं चार्ट के माध्यम से किया। वही सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी कैटेगरी में कुल 26 राजकीय विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लेकर शिक्षण अधिगम सामग्री मॉडल एवं चार्ट का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों के साथ किए जा रहे कार्य में शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग एवं महत्व को प्रस्तुत करने का उदाहरण प्रस्तुत किया। शिक्षक अभिनव कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि बालेसर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमा शर्मा ने भारती फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे हैं नवा चारों की सराहना करते हुए बताया कि भारती फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास काफी सराहनीय है जो मील का पत्थर साबित हो रहे हैं, गाइड सिंह राठौड- अउइएड के आतिथ्य में संपन्न किया गया। एलीमेंट्री कैटेगरी में प्रथम विजेता उमेद सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मादिया बेरा, द्वितीय विजेता परसा राम गोदारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिश्नोईयों की ढाणी तथा तृतीय विजेता जसविंदर कौर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोज की ढाणी रहे। सेकेंडरी कैटेगरी में प्रथम विजेता मनीष सोलंकी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मादिया बेरा, द्वितीय विजेता देवेंद्र सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारीबेरी तथा तृतीय विजेता इंद्रजीत चौहान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालेसर सत्ता रहे। शिक्षक अभिनव पुरस्कार में जूरी सदस्यों के रूप में संदर्भ व्यक्ति मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय बालेसर से आईदान पुरी, शैलेंद्र व्यास, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आगोलाई, अरविंद डाबी, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालेसर सत्ता रहे। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि शिखा राणा, भारती फाउंडेशन, गुड़गांव रहे, जिन्होंने शिक्षक अभिनव पुरस्कार को विद्यालय स्तर पर आयोजन को काफी प्रेरणास्पद बताया क्योंकि इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने की प्रेरणा मिलती है। ज्ञातव्य है कि शिक्षक अभिनव पुरस्कार कार्यक्रम भारती फाउंडेशन के सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया तथा विजेता शिक्षक-शिक्षिकाओं को पुरस्कृत कर बेहतर शिक्षण करवाने के लिए प्रेरित किया गया। स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य उषा छंगानी द्वारा कार्यक्रम के बेहतर संचालन एवं प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम के दौरान भारती फाउंडेशन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर देवेंद्र कुमार पांडे, सुदीप कुलश्रेष्ठ, ट्रेनर मोहित शर्मा, एकेडमिक मेंटर पुनीत भटनागर एवं राजेंद्र कुमार शर्मा द्वारा उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों के शिक्षण में गुणवत्ता लाने हेतु प्रेरित किया गया।

500 वर्षों से प्राचीन अतिशयकारी जिनबिबों का जयकारों के बीच अभिषेक शुरू

22 तक कर सकेंगे श्रीजी के अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर, सिटी बस स्टेंड के पास स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान में भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस के अवसर पर 500 वर्षों से प्राचीन अतिशयकारी जिनबिबों का प्रथम बार अभिषेक शुक्रवार से आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज 60 पिच्छी ससंघ सानिध्य में शुरू हुए। इस दौरान आसपास का क्षेत्र श्रीजी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस भव्य आयोजन से जुड़े निर्मल चांदकीका,प्रदीप ठोलिया व मीनू सौगानी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज सुबह 10.30 बजे अतिशयकारी जिनबिबों को गर्भगृह से बाहर लाकर मंत्राराधना पूर्वक विराजमान जयकारों के बीच विराजमान किया। इसके बाद मंत्रोच्चारण के बीच समाजश्रेष्ठी गजेन्द्र कुमार,प्रवीण कुमार व विकास बड़जात्या परिवार को श्रीजी के प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए अर्पूव पल है कि हम सभी को 500 वर्ष पुरानी प्रतिमाओं के दर्शन व अभिषेक करने का सौभाग्य मिल रहा है। जिसका हम सकी को लाभ उठाना चाहिए ताकि हम अपने जीवन को सफल बना सके। इस मौके पर शांतिधारा समाजश्रेष्ठी सुधीर अजमेरा परिवार ने की। इसके बाद जलाभिषेक व शाम को महाआरती की गई। उपाध्यक्ष आशीष पाटनी ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सुबह 8.45 बजे जलाभिषेक व पंचामृताभिषेक के बाद शांतिधारा व महाआरती सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 22 को सुबह 8.45 बजे जलाभिषेक व पंचामृताभिषेक के बाद शांतिधारा के बाद सुबह 10.15 जलाभिषेक के बाद शाम को 4 बजे महाआरती के बाद इसी दिन शाम 4.15 बजे जिनबिबों को यथा स्थान भूगर्भ में जयकारों के बीच विराजमान किया जाएगा।

जैसी करनी, वैसी भरनी: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

ज्ञानतीर्थ पर निर्वाण लाडू एवं दीक्षा महोत्सव मनाया गया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैन धर्म के प्रवर्तक, प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ जी ने हमें असि, मसि, कृषि का अहिंसामयी उपदेश दिया। हम सभी उनके सिद्धांतों का, उनके उपदेशों का सदैव अक्षरह पालन करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। प्रभु आदिनाथ ने कर्म सिद्धान्त का उपदेश देते हुए कहा कि जैसी करनी, वैसी भरनी। आप जैसे कर्म करोगे, आपको परिणाम भी उसी के अनुसार मिलेंगे। ₹बोया पेड़ बबूल का,आम कहां से होय₹। यदि आपने बबूल के बीज का रोपण किया है, तो आम की उम्मीद कैसे कर सकते हो। इसीलिये प्राणी को सदैव अच्छे नेक काम करते हुए अहिंसामयी रूप से जीवन जीना चाहिए। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने ज्ञानतीर्थ क्षेत्र में श्री आदिनाथ निर्वाण लाडू एवं पूज्य गुरुमां के दीक्षा दिवस महोत्सव में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में भगवान आदिनाथ मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू एवं स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का 27वां दीक्षा दिवस महोत्सव विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ धूमधाम से हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। भगवान आदिनाथ को पांडुक शिला पर विराजमान कर कलशाभिषेक किये गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पारस जैन, मुरेना के मंगलाचरण से हुआ। चित्र अनावरण योगेश जैन (खतौली वाले) दिल्ली, आनन्द जैन (खेकड़ा वाले) दिल्ली, रूपेश नीलम जैन (चांदी वाले) आगरा, सतीश दिल्ली, जिनेन्द्र दिल्ली, राकेश दिल्ली, आशीष जी, अरविंद विकासनगर ने किया। दीप प्रज्ज्वलन विनीत जैन (आईपीएस), संजीव जैन (आयुक्त), मुकेश आगरा, सुनील जैन बन्धु आगरा, महेशचंद बंगाली (अध्यक्ष), धर्मेंद्र जैन एडवोकेट (मन्त्री) ने किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.मनीष भैयाजी एवं ब्र. बहिन अनीता दीदी ने किया। भगवान आदिनाथ को प्रथम निर्वाण लाडू अर्पित करने, गुरुदेव सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य गुरुभक्त आनन्द जैन (खेकड़ा वाले) सूर्यनगर दिल्ली को प्राप्त हुआ। पद यात्रा के संयोजक अनूप भण्डारी ने बताया कि इस पुनीत एवं पावन अवसर पर पूज्य गुरुदेव एवं गणिनी आर्यिका गुरुमां के पावन सान्निध्य में मुरेना जैन मन्दिर से ज्ञानतीर्थ तक एक विशाल एवं भव्य पद यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बन्धु, माता-बहिनें एवं युवा साथी सिर पर केशरिया टोपी एवं गले में पचरंगी पट्टिका डालकर चल रहे थे। सभी के हाथों में शाकाहार एवं अहिंसा के प्रचार प्रसार हेतु स्लोगन लिखी तख्तियां शोभायमान हो रही थी। बैंड बाजों के साथ घोड़ा बग्गियों में भगवान आदिनाथ के स्वरुप में माता-पिता, सौधर्म इंद्र रूपेश नीलम जैन आगरा, शांतिलाल जैन (विचपुरी वाले),पंकज जैन मेडीकल आदि विराजमान थे। नरेंद्रकुमार कुलभूषण रिंकू जैन ने पद यात्रियो का आत्मीय स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत बानमोर की बालिकाओं ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। संगीतकार एवं भजन गायक मनीष एन्ड पार्टी ने सभी को मंत्र मुग्ध किया। कविराज नमोकार जैन ने भगवान आदिनाथ पर काव्य पाठकर खूब तालियां बटोरी।

वेद ज्ञान

प्रेम का सही मतलब समझें

प्रेम अंतर्मन की अभिव्यक्ति और अनुभूति है। प्रेम और वासना में वही फर्क है, जो कंचन और कांच में होता है। यदि हम प्रेम और वासना को एक साथ जोड़कर देखें, तो हमारा नुकसान हो सकता है, क्योंकि तब प्रेम का अर्थ बदल जाएगा। यदि हम प्रेम की परिभाषा वासना की दृष्टि से करें, तो हमारा सारा आध्यात्मिक प्रेम नष्ट हो जाएगा। प्रेम का संबंध अध्यात्म, अंतर्मन और हृदय से है, जबकि वासना का संबंध हमारे बाहरी शरीर से होता है। किसी के बाहरी स्वरूप को देखकर उसके बारे में कुछ कहना या उसके व्यक्तित्व का आकलन करना ठीक नहीं है, क्योंकि हमें जो उसका बाहरी स्वरूप दिख रहा है, वह वास्तविक नहीं है। महान् मनोवैज्ञानिक सिग्मंड फ्रायड ने कहा भी है कि किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को देखने के बाद ही उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 'व्यक्तित्व' यूनानी शब्द 'परसोना' से बना है। हम यदि किसी व्यक्ति के चरित्र के बारे में जानना चाहें, तो मात्र उसके चेहरे को देखकर क्या जान पाएंगे? बनावटी चेहरे को देखकर उस व्यक्ति के चरित्र का मूल्यांकन करने का प्रयास करेंगे तो हमें क्या हासिल होगा? इसलिए बाहर के आवरण को देखकर सुंदरता का सही मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। बाहर से हमें जो दिख रहा है, वह बनावटी है, एक ओढ़ा हुआ आवरण है। जैसा वस्त्र आप पहन लेंगे, वैसा ही आपका व्यक्तित्व माना जाएगा। कबीर ने भी कहा है कि मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपड़ा। अर्थात तुम अपने मन को प्रभु के रंग में रंग लो, अपने कपड़े को रंगने से क्या फायदा? कपड़े को मत रंगो, रंगना ही है तो सिर्फ अपने मन को रंगो। मन की पहचान किसी व्यक्ति की असली पहचान होती है। मलिक मोहम्मद जायसी हिंदी साहित्य के महान कवि थे। वह देखने में आकर्षक नहीं थे। एक बार वह किसी रास्ते से होकर कहीं जा रहे थे कि रास्ते में राजा की सवारी आ गई। राजा की नजर जैसे ही जायसी पर पड़ी उनके मुख से हंसी निकल गई। उस हंसी को सुनते हुए जायसी ने राजा से कहा था, 'मोही का हंसो कि हंसो भगवान को' यानी तुम मुझ पर क्या हंसते हो? यदि मुझे देखकर हंसना हो तो भी तुम मुझ पर मत हंसो।

संपादकीय

आरवीएम से संबंधित अपनी शंकाएं और सुझाव

दूरस्थ मतदान मशीन यानी आरवीएम शुरू करने के निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव को विपक्षी दलों ने शुरूआती चरण में ही अस्वीकार कर दिया। हालांकि जब आयोग ने इसे शुरू करने का प्रस्ताव रखा, तभी इसका विरोध शुरू हो गया था। इसके व्यावहारिक पक्षों को लेकर तरह-तरह के सवाल उठाए और शंकाएं जताई जा रही थीं। निर्वाचन आयोग ने सभी दलों को निमंत्रित किया था कि वे आएं और आरवीएम से संबंधित अपनी शंकाएं और सुझाव साझा करें। निर्वाचन आयोग मशीन के व्यावहारिक पक्षों को समझाना और उनकी सहमति मिलने के बाद इसे प्रायोगिक तौर पर लागू करना चाहता था। मगर विपक्षी दलों ने एक स्वर से इस पर असहमति जता दी। उनका कहना है कि अभी इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन यानी ईवीएम को लेकर उठ रही शंकाओं के समाधान ही निर्वाचन आयोग नहीं कर पाया है, ऐसे में वह घरेलू प्रवासियों के लिए उसी तरह की मशीन से नई मतदान व्यवस्था करने की पहल कैसे कर सकता है। कुछ नेताओं ने यह तक पूछा कि आयोग मतदान तो कराना चाहता है, मगर प्रवासी मजदूरों के बीच राजनेता अपना प्रचार करने कैसे जाएंगे। इस तरह आरवीएम के व्यावहारिक पहलुओं पर कई गंभीर सवाल खड़े किए गए। जाहिर है, अब इस प्रणाली पर निर्वाचन आयोग के लिए आगे कदम बढ़ाना संभव नहीं होगा। दरअसल, पिछले अनेक चुनावों से देखा जा रहा है कि मतदान को लेकर लोगों में उदासीनता बनी हुई है। हर चुनाव में पिछले चुनाव की तुलना में मत प्रतिशत कुछ कम दर्ज होते हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने का पूरा प्रयास करता है। मगर खासकर शहरी मतदाता में उत्साह नहीं पैदा हो पाता। कई जगहों पर तो पचास फीसद से भी कम मतदान होता है। इस तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रश्नांकित होती है। पचास फीसद से भी कम मतदान के बावजूद प्रतिनिधि तो निर्वाचित होते ही हैं, सरकार बनती ही है। फिर सवाल उठता है कि वह सरकार किन लोगों ने बनाई है। विचित्र स्थिति तब देखी जाती है जब कम मत प्रतिशत वाले दल की संख्या अधिक हो जाती है और वह सत्ता में आ जाता है और अधिक मत प्रतिशत वाला दल बाहर रह जाता है। इस स्थिति को समाप्त करना निस्संदेह निर्वाचन आयोग के लिए बड़ी चुनौती है। मगर यह कैसे संभव हो, इसका उपाय वह निकाल नहीं पाया है। उसे लगता है कि अगर प्रवासी लोगों को अपने मतों का प्रयोग करने की सुविधा मिल जाए तो इससे मत प्रतिशत में बढ़ोतरी हो सकती है। लंबे समय से रेखांकित किया जाता रहा है कि जो लोग कामकाज, पढ़ाई-लिखाई या दूसरी वजहों से अपना घर-बार छोड़ कर दूरदराज जगहों पर रहने को मजबूर हैं, उन्हें भी अपने मताधिकार का उपयोग करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। मगर इसका कोई व्यावहारिक रास्ता अभी तक नहीं निकाला जा सका है। पिछले कुछ सालों में ग्रामीण इलाकों से बहुत तेजी से पलायन बढ़ा है। ऐसे में बड़ी संख्या में ऐसे लोग शहरों में रहने लगे हैं, जिनका मतदाता सूची में नाम अपने गृह प्रदेश में है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जीवन के अंग...

हम जिस तरह की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों में पलते-बढ़ते हैं, उसमें अपने हर करीबी के लिए बेहद संवेदनशील होते हैं। यही वजह है कि अगर किसी रिश्तेदार या परिजन की मौत होती है तो उसके लिए न सिर्फ दुखी होते हैं, बल्कि समाज और संस्कृति के संदर्भों से जो रिवायतें चली आ रही होती हैं, उसके मुताबिक हर स्तर पर हम मृतक के लिए पूरी भावुकता के साथ उसका पालन करते हैं। इसी क्रम में मृतक की देह को लेकर संवेदनशील होना स्वाभाविक है, क्योंकि अपने प्रियजन की मृत्यु किसी के लिए भी दुख का विषय होता है। लेकिन अगर अपनी संवेदना और भावनाओं के साथ विवेक को भी सजग रखा जा सके तो अपने प्रियजन की मौत के बाद उन्हें किसी अन्य शरीर में जीवित देखा और महसूस किया जा सकता है। इंदौर में एक महिला की दिमागी तौर पर मृत्यु असमय ही हो गई, लेकिन खुद उसकी अंतिम इच्छा और उसके परिजनों की सहृदयता की वजह से उसके मृत शरीर से कई लोगों की जिंदगी आसान हो जाएगी और कुछ को नया जीवन मिल जाएगा। दरअसल, इंदौर में रहने वाली एक महिला अचानक ही मस्तिष्क संबंधी गंभीर समस्या से ग्रस्त हो गई। ठीक करने के अथक प्रयासों के बावजूद चिकित्सकों को आखिरकार उसे दिमागी तौर पर मृत घोषित करना पड़ा। जाहिर है, इसके बाद जीवन की उम्मीद लगभग खत्म हो जाती है और ऐसे में मृतक के परिजनों के दुख को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऐसी स्थिति में आमतौर पर विवेक पर संवेदना हावी हो जाती है और उसी मुताबिक मृतक के अंतिम संस्कार के बारे में फैसले लिए जाते हैं। लेकिन महिला के संबंधी उसकी अंतिम इच्छा के मुताबिक मरणोपरांत उनके अंगदान के लिए आगे आए। ऐसे भावुक क्षणों में चिकित्सकों ने उसके शरीर के उन सभी अंगों को एकत्र किया, जिससे किसी अन्य जरूरतमंद को जिंदगी मिल सकती थी। यानी उसके शरीर के सभी काम आ सकने वाले अंग किसी न किसी को जीवन देंगे या उनकी जिंदगी को आसान बनाएंगे। हमारे यहां जीवन और मृत्यु को लेकर जिस तरह की धारणाएं, आग्रह और संवेदना का समुच्चय काम करता है, उसमें इसे निश्चित तौर पर एक विशेष और महत्त्वपूर्ण घटना के तौर पर देखा जाएगा। दरअसल, इंसान के शरीर में कोई अंग जिस तरह काम करता है, ठीक उसी स्तर का कृत्रिम अंग बनाना अभी संभव नहीं हुआ है, इसलिए किसी अन्य व्यक्ति के अंग का प्रत्यारोपण ही फिलहाल उपाय होता है। ऐसी स्थिति में दुनिया भर में वैसे बहुत सारे लोग मौत के सामने अपनी जिंदगी की लड़ाई हार जाते हैं, जिन्हें हादसे के समय या किसी गंभीर रोग के इलाज के दौरान अपने शरीर में बेकाम हो चुके अंग का विकल्प नहीं मिल पाता। फिर चिकित्सीय जटिलता भी एक अहम पहलू होती है। जबकि ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जब गंभीर बीमारी या हादसे के बाद किसी मरीज की मृत्यु तय होती है, मगर उसके अंगों से कुछ अन्य लोगों को जिंदगी मिल सकती है। मसलन, दोनों गुर्दे, यकृत, हृदय, फेफड़े आंत और अग्न्याशय का प्रत्यारोपण हो सकता है, जबकि ऊतकों के रूप में कार्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियां और वेसेल्स भी समान स्तर पर बेहद उपयोगी होते हैं।

आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

बामनवास. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज ने शुक्रवार को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिनाथ भगवान का अभिषेक और शान्तिधारा करने का सौभाग्य सकल दिगम्बर जैन समाज के प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन को प्राप्त हुआ एवं सभी श्रावक - श्राविकाओ ने सुनील जैन के निर्देशन में ऋषभ देव भगवान की विशेष पूजन,शास्त्र स्वाधाय किया गया। इस अवसर पर प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि भगवान ऋषभ देव जैन धर्म के प्रथम श्रवण,पहले राजा, असी (सैनिक कार्य),मसीह(लेखन कार्य),कृषि,ज्योतिष व्यापार,कला एवं शिल्प कारीगर के प्रतिपादक थे ' उन्होंने दुनिया को सभी प्रकार के कार्यों में मार्गदर्शन प्रदान किया। इन्हे ऋषभनाथ,आदिबह्मा,वृषभदेव, आदिनाथ आदि नामो से भी जाना जाता है इनके पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज पिपलाई ने प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया तथा वेब मिडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री और अल्पसंख्यक मामलात कैबिनेट एवं राज्यमंत्री तथा राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष से जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान के जन्म एवं मोक्ष कल्याण महोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करवाने की मांग की। इस अवसर पर रमेश जैन, मुकेश जैन, विनोद जैन, आशु जैन,सुमनलता जैन,आशा जैन, रजनी जैन, ललिता जैन, सपना जैन, राजुल जैन, जिनेन्द्र जैन, एकता जैन सहित कई श्रावक -श्राविकाएं उपस्थित थीं।

दुर्गापुरा में भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दुर्गापुरा जैन मंदिर में शुक्रवार दिनांक 20 जनवरी को प्रातः काल भगवान आदिनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भगवान आदिनाथ जी की पूजा भक्ति भाव से पंडित दीपक शास्त्री एवं महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल ने कराते हुए निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक वाचन के बाद सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के मोक्ष कल्याणक दिवस पर शांति धारा में पुण्यार्जक परिवारों के नाम उच्चारित किए गए एवं सभी ने शांति धारा कर पुण्यार्जन किया।

अ.भा. जैन पत्र संपादक संघ के तत्वावधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

इंदौर. शाबाश इंडिया

जैन कलमकारों का राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा समाज की ज्वलंत समस्याओं पर मध्य प्रदेश के इंदौर व उज्जैन में 21 से 23 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विस्तृत चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी का प्रथम सत्र इंदौर स्थित श्री मोदी जी की नसिया (बड़ा गणपति) में 21 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे से आयोजित है जिसमें इंदौर के प्रमुख

आयोजन का द्वितीय सत्र परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी ससंघ के सान्निध्य में श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन में 22 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से आयोजित होगा...

समाजसेवी सर्व अशोक बड़जात्या (राष्ट्रीय अध्यक्ष दिगंबर जैन महासमिति), अशोक पाटनी, हंसमुख गांधी, कैलाश वेद, नरेंद्र वेद,अनिल जैन, डी .के .जैन , टी.के. वेद, एम.के.जैन,परमात्म प्रकाश भारिल्ल तथा निर्मला जैन प्रमुख रूप से हिस्सा ले रहे हैं। जैन संपादक पत्र संघ के महामंत्री डा. अखिल बंसल ने बताया कि आयोजन की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष शशैलेन्द्र जैन एडवोकेट करेंगे। कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र भारती, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अनूपचंद जैन,डा.अरविंद जैन,आजतक से राहुल जैन,डा.संगीता बिनायका,श्रीमती रुचि चौविश्या सहित संगठन के लगभग 60 सदस्य विभिन्न नगरों से सम्मिलित हो रहे हैं। आयोजन का द्वितीय सत्र परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी ससंघ के सान्निध्य में श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन में 22 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से आयोजित है । इस सत्र में शपथ ग्रहण के साथ संगोष्ठी में वक्तागण जैन समाज की एकता, तीर्थों की सुरक्षा तथा समाज के राजनीतिक वर्चस्व पर चर्चा करेंगे। सत्र में अखिलेश पांडेय कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, रमण सोलंकी , स्वदेश भूषण जैन (पंजाब केसरी दिल्ली),सुनील जैन (संपादक दैनिक अक्षर विश्व उज्जैन) के अतिरिक्त अशोक जैन (चाय वाले), सचिन कासलीवाल तथा अनिल कासलीवाल (विहिप) की विशेष उपस्थिति रहेगी । कार्यक्रम का तृतीय समापन सत्र 23 जनवरी को होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर अखिल बंसल के साथ स्थानीय अशोक शास्त्री , संगीता विनायका मनीष अजमेरा, हेमंत जैन, तथा राकेश सोनी का विशेष सहयोग है।

अषि मषि कृषि का उपदेश देकर जगत को संभाल था ऋषभ देव ने: विजय धुर्रा

दर्शनोदयथूवोनजी में मनाया आदिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

युग के आदि में अषि मषि कृषि विद्या वाणिज्य और शिल्प का उपदेश देने वाले जैन दर्शन के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी का निर्वाण कल्याण हम सब मिलकर आज अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में भक्ति भाव से मना रहे हैं। अंतिम कुलकर मनु महाराज नाभि राय के पूत्र राजा ऋषभ देव ने जगत को जीवन जीने की कला सिखाई ।बहुत लम्बे समय तक राज्य करने पर सौधर्म इन्द्र ने वैराग्य का प्रसंग लाते हुए नीलंजना ने राजदरबार में नृत्य प्रस्तूत किया ।जहां नृत्य करते करते नीलंजना की मृत्यु को देखकर राजा ऋषभ देव को वैराग्य हो गया । उन्होंने कठोर तपस्या कर आज के दिन कैलाश पर्वत से निर्वाण को प्राप्त किया जिनका हम निर्वाण कल्याण मनाकर लाडू समर्पित करने जा रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार मध्यप्रदेश महासभा

संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए। इसके पहले धर्म सभा का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ हुआ। जहां शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि इस दरबार में जो भी भक्त अपनी मनोकामना लेकर आता है वे अवश्य पूरी होती है।समारोह के प्रारंभ में आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप स्थापना कमेटी के संरक्षण संजीव श्रागर, शालू भारत ,शैलेन्द्र दददा, कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, सुमत जैन ग्वालियर द्वारा किया गया।

जगत कल्याण के लिए की शान्ति धारा

इसके पहले जगत कल्याण की कामना के लिए दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़ेबाबा भगवान आदि नाथ स्वामी का चार इन्द्र बनकर भगवान का महाभिषेक किया गया। इस दौरान सौधर्मइन्द्र बनकर सुमत कुमार, ऋषभ कुमार मुरार, इंसान इन्द्र प्रदीप जैन रानी, सनत इन्द्र रिंकेश कांसल ,महेन्द्र इन्द्र शैलेंद्र दददा को मिला।वही इस दौरान भगवान का एक सौ आठ कलशों से अभिषेक किया गया इसके बाद

जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्तिधारा की गई। जिसका सौभाग्य युवा वर्ग के संरक्षक संजीव श्रागर, शालू भारत, सुरेन्द्र जैन, विपिन सिंघाई, शैलेंद्र दददा रानीपिपरई, पुलकित जैन, प्रतीक जैन सहितअन्य भक्तों को मिला।

निर्वाण कल्याणक पर प्रभू चरणों में चढ़ाया लाडू

इस दौरान भक्तों ने भगवान की पूजन अर्चन कर भगवान आदिनाथ स्वामी के चरणों में निर्वाण लाडू समर्पित किया।इस दौरान भगवान की आरती उतार कर प्रभु की जय जय कार के बीच अर्घ समर्पित किए। इस दौरान सोनू वगुलया, मोनू वाटा, प्रेम चंद, संजीव मोदी संजय जैन, प्रतीक कुमार अखाई सहित अन्य भक्तों ने अर्घ समर्पित किए ।

आदिनाथ का मोक्ष कल्याण श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय गणेश मार्ग बापू नगर में मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याण दिवस श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय गणेश मार्ग बापू नगर में पूर्ण भक्ति भाव से मनाया गया। सामूहिक पूजन के बाद भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। निर्वाण लाडू चढ़ाने के समय मंदिर कार्यकारिण के मंत्री जे के जैन, उपाध्यक्ष राज कुमार सेठी, संयुक्त मंत्री महावीर झाग वाले, कोषाधक्ष सुरेन्द्र मोदी, बापू नगर संभाग के मंत्री डॉ राजेंद्र कुमार जैन एवं बापूनगर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर निर्मल सांघी, रवि सेठी, संजय पाटनी, विजय कुमार पांड्या, सूरज अजमेरा, सतीश गोधा, निर्मल झानझरी, विनोद पाटनी, रमेश बोहरा, डॉ पी सी जैन इत्यादि मोजूद थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

मुकाम वो हासिल करो... जब चाहो तब स्वयं को बदल सको

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

मैं देख रहा हू - आज मनुष्य तनाव की नाव में बैठकर जीवन की यात्रा तय कर रहा है। तनाव की नाव से कैसे मुक्त हो-? तनाव से कैसे बाहर आये-? मन कैसे स्वस्थ प्रसन्न रहे-? खुद को कैसे खुश रखे-? इन प्रश्नों का एक ही उत्तर है - ध्यान। फिर भी हम इन पांच दैनिक कार्यों से मन को स्वस्थ प्रसन्न कर सकते हैं। जैसे - 1. नित्य सुबह उगते हुये सूर्य की रोशनी में 5-7 मिनट बैठें और नग्न आँखों से सूर्य देवता को देखें। 2. दर्पण में आँख में आँख डालकर देखें और खुद का नाम लेकर कहें - मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ और मीठी सी स्माईल दें। 3. मोबाइल व्रत - सोने से एक घन्टे पहले और उठने के एक घन्टे बाद तक मोबाइल फोन को हाथ नहीं लगायेंगे। 4. दिन या रात में सोने से पहले 5-10 मिनट किसी महापुरुष की जीवन गाथा या अच्छे विचारक की किताब को पढेंगे। 5. उठने के बाद और सोने से पहले 5-10 मिनट निर्विचार होकर बैठना।

जिस दिन आप इतने शान्त और सन्तुलित हो जायें कि वर्तमान आपकी पकड़ में आ जाये तो समझना कि आप ध्यान में प्रवेश के लिए सक्षम हो गये। क्योंकि ध्यान जीवन की आंतरिक अनुभूति है, जिसका प्रभाव हमारे बाह्य जीवन में परिलक्षित होता है। इसलिए बाहर के जीवन को सफल सार्थक करने के लिये मनुष्य को स्वयं ही प्रयत्न करना पड़ेगा। क्योंकि जीवन लकड़ी नहीं है जिसे आकार देने के लिये बढई के पास जाना पड़े। जीवन पाषाण भी नहीं है जिसे कोई कारीगर गढ़ सके । जीवन कागज भी नहीं है जिसे सजाने के लिये चित्रकार के पास जाना पड़े। जीवन प्राणवान है, ऊर्जावान है, चैतन्य है। जीवन लकड़ी, पत्थर, कागज की तरह जड़ नही है। जीवन का सृजन और ध्वंस स्वयं के हाथ में है। जीवन को बनाना और मिटाना स्वयं के हाथ में है।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े उत्साह पूर्वक मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में माघ कृष्णा चतुर्दशी के दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया। सारा वातावरण धर्म में हो गया। प्रातः सभी प्रतिमाओं पर श्रावको द्वारा 108 रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया गया। इस उपरांत लक्ष्मीकांत जैन परिवार एवं ताराचंद गदेरिया ने मूलनायक पद्मप्रभु भगवान पर, रूपेश कासलीवाल ने भगवान आदिनाथ पर एवं प्रकाश अग्रवाल ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर शांति धारा की। श्रावकों द्वारा अन्य प्रतिमाओं पर भी शांति द्वारा की गई। प्रचार एवं संगठन मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि श्रावक-श्राविकाएं ने बड़े ही भक्ति- भाव से भगवान आदिनाथ की पूजा- अर्चना कर अर्ग समर्पण किए। निर्वाण कांड पाठ द्वारा पूनमचंद, अतिवीर, परिक्षीत सेठी परिवार ने मुख्य निर्वाण लड्डू समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त किया । इस दौरान जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा।

संगिनी ग्रुप ने जोश और खरोश के साथ देशभक्ति कार्यक्रम-देश रंगीला मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गणतंत्र दिवस की थीम पर देश रंगीला कार्यक्रम बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशकमल - संगीता अजमेरा का स्वागत देश रंगीला की धुन पर देशभक्ति गीत के साथ किया गया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं रीजन सचिव निर्मल संघी एवं श्रीमती सीमा जी बड़जात्या के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रमों में एक से एक रंगारंग प्रस्तुतियां हुई। मुख्य अतिथि

यशकमल अजमेरा के द्वारा झंडारोहण किया गया एवं राष्ट्रगीत के पश्चात वंदे मातरम के नारों के साथ पूरे माहौल को देशभक्तिमय बना दिया। सभी सदस्य तिरंगा थीम पर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। ग्रुप सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल ने बताया की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीमती उर्मिला जैन रही। दीप प्रज्वलन चित्रा एवं बीना शाह के द्वारा किया गया। ग्रुप के सदस्यों पुष्पा बिलाला, मधु पांडया, अंजना शास्त्री , लता जैन, अनीता बिंदायका, अलका सेठी , कांता पाटनी ने आयोजन स्थल को तिरंगा थीम पर गुब्बारे लगाकर देशभक्ति मय रूप देते हुए अनेक प्रस्तुतिया दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती उर्मिला जी जैन का जन्म दिवस केक काटकर एवं दोस्ती गीत गाकर शानदार तरीके से मनाया गया। सचिव सुनिता गंगवाल द्वारा तैयार किये गए हाऊजी गेम का शानदार संचालन बबीता जैन के द्वारा किया गया। मंच संचालन श्रीमती सुनीता गंगवाल के द्वारा किया गया अंत में अध्यक्ष शकुंतला के आभार उद्बोधन और 26 जनवरी को अत्यधिक धूमधाम से मनाये जाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी के साथ हैप्पीनेस महोत्सव आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। योग, ज्ञान और ध्यान के खास सत्र ''हैप्पीनेस महोत्सव'' 21 जनवरी को दोपहर 3 से 5 तक स्थान -एसएमएस इंडोर स्टेडियम मे आयोजित होगा। यह सत्र वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी के द्वारा संबोधित किया जाएगा। गुरुदेव का 4 वर्ष बाद जयपुर आगमन हो रहा है।

एक हजार से भी अधिक प्राचीन भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के किए पंचामृत अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक महोत्सव शुक्रवार,20 जनवरी को भक्ति भाव से मनाया गया।इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मंदिरों में भगवान आदिनाथ के अभिषेक के पश्चात जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण के बाद भगवान ऋषभदेव के मोक्ष कल्याणक श्लोक-''माघ चतुर्दशी कृष्ण की,मोक्ष गये भगवान।भव जीवों को बोधिके, पहुंचे शिवपुर जान।'' का सामूहिक रूप से उच्चारण कर जयकारों के साथ अर्घ्य के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया। भगवान ऋषभदेव की महाआरती के साथ समापन हुआ। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिनाथ जी की खोह में जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। इस

मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, समाज श्रेष्ठी मनोज सोगानी एवं जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के अध्यक्ष कमल वैद के नेतृत्व में भूगर्भ से प्रकटित 1000 वर्ष प्राचीन भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के जल, चंदन,दुग्ध,घृत,अनार रस,केला रस, अंगूर रस, पपीता रस, सेव रस, अन्नानास रस,श्रीफल जल आदि से पंचामृत अभिषेक किये गये। शांतिधारा के बाद भगवान की पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक उच्चारण कर जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया। महाआरती के साथ समापन हुआ। इस मौके पर समाज श्रेष्ठी कैलाश चन्द माणक चन्द ठोलिया सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे।

तीये की बैठक

हमारी पूज्यनीय

श्रीमति सुशीला देवी जैन

पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार जैन का स्वर्गवास 20-1-2023 को हो गया। तीये की बैठक 22-1-2023 को प्रातः 9 बजे भट्टारक जी की नसिया मे रखी है, तत्पश्चात घडियो का दस्तूर होगा।

शोकाकुल: भंवरलाल, भागचंद, भागचंद, बाबूलाल (देवर), इन्द्राबक्षी (ननद), नरेंद्र- मीना, नवीन - प्रतिभा (पुत्र- पुत्रवधु), रेखा- प्रवीण, रेणु - अनिल, रश्मि - हेमंत (पुत्री- दामाद), हेमंत, सुभाष, रमेश, मनोज, प्रदीप, अभय, विजय, दीपेश (भतीजे), नितिन - पारुल, निखिल - श्रेता, अविरल (पौत्र-पौत्रवधु), युक्ता (पौत्री), प्रखर- स्वाति (दोहिता-दोहितावधु), आर्ची- प्रांशु (दोहिती- दामाद), अपूर्वा, अरिहंत, इशिता, काव्या, लक्ष्य (दोहिता, दोहिति) नमित, अद्विका, फलक (पड़पौत्र, पडपौत्री) एवम् समस्त बाकलीवाल परिवार (लांगड़ियावास वाले), पीहर पक्ष संतोष कुमार, सीमंदर, कमल पाटनी छिंदवाड़ा वाले ।

ध्वजारोहण से प्रारंभ हुआ ढाई दीप पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

पूरे विश्व से इंदौर पहुंचे हजारों जैन बंधु

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा.
शाबाश इंडिया

इंदौर। माघ कृष्ण चतुर्दशी शुक्रवार 20 जनवरी को प्रथम तीर्थंकर पूज्य श्री 1008 आदिनाथ भगवान के मंगलकारी मोक्ष कल्याणक के शुभ दिन विश्व की अद्वितीय रचना तीर्थधाम ढाईद्वीप जिनायतन इंदौर का सात दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का मंगलमय शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ। जिसमे धर्म नगरी बड़ामलहरा से बड़ी संख्या में जैन बंधु सम्मिलित हुए। महोत्सव के मीडिया प्रभारी प्रद्युम्न फौजदार एवं दीपकराज जैन ने बताया कि प्रातःकाल की मंगल बेला पर तीर्थधाम ढाईद्वीप से अयोध्या नगरी तक श्री जिनेन्द्र शोभायात्रा निकाली गई जिसमें मनोहारी रथ पर श्रीजी को विराजमान कर मंगलगान के साथ श्रावक - श्राविकाएँ कार्यक्रम स्थल अयोध्या नगरी पहुंचे। जहां प्रतिष्ठाचार्य पण्डित अभिनन्दन शास्त्री के साथ पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री, पं. संजय शास्त्री, पं. ऋषभ शास्त्री, डॉ. विवेक शास्त्री ने पूजन विधान कर आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाकर ध्वजारोहण सेपंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंडित टोडरमल स्मारक के युवा शास्त्रीयों सहित अष्टकुमारिकाओं एवं 56 कुमारियों ने मंगलाचरण की सुंदर प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

ये रहे सौभाग्यशाली परिवार

सात दिवसीय महोत्सव के शुभारंभ पर ध्वजारोहण करने का सौभाग्य श्रीमती सृष्टि यश जैन एवं श्रीमती सोनल मुकेश जैन ढाई दीप परिवार को मिला। प्रतिष्ठा मंडप का उदघाटन कमलकुमार, साकेत, सहज बड़जात्या परिवार द्वारा किया गया। प्रतिष्ठा मंच का उदघाटन श्रीमती आशा नरेश लुहाड़िया एवं नम्रता आकिंचन्य लुहाड़िया दिल्ली द्वारा किया गया एवं प्रतिष्ठा मंच की वेदी पर श्रीजी को विराजमान करने का सौभाग्य डॉ. अशोक जैन, पलास, पर्युल जैन इंदौर को मिला। मंगल कलश की स्थापना माता मरुदेवी श्रीमती कुसुमलता पाटनी इंदौर द्वारा की गई। मनोहारी वेदी पर जिनवाणी विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती ऋतु डॉ. अशोक जैन एवं कृति, सौम्या जैन परिवार इंदौर को मिला।

चित्रों का अनावरण हुआ

आचार्य कुंदकुंददेव के चित्र का अनावरण श्रीमती सुषमा कैलाशचंद जैन छाबड़ा परिवार मुम्बई, पंडित टोडरमलजी के चित्र का अनावरण पदमचंद, विकास, वैभव, वरुण पहाड़िया परिवार इंदौर द्वारा किया गया एवं गुरुदेव श्री कानजी स्वामी के चित्र का अनावरण पंडित शिखरचंद, संजय, राजीव, आलोक जैन परिवार विदिशा द्वारा किया गया। यगमण्डल विधान आमन्त्रणकर्ता, उदघाटन एवं मुख्य कलश विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती भारती बेन विजयभाई जैन हासरथ वाले दादर मुम्बई वालों को मिला। दोपहर के समय इंद्र प्रतिष्ठा एवं यागमण्डल विधान के दौरान जिनवाणी विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती विंदल दीपक शाह बैंगलोर, मंगल कलश भरत रतनचंद दोषी मुम्बई, दीप्ती नितिन सेठी इंदौर, जितेंद्र कुसुम सेठी इंदौर एवं भरत भाई टिम्बडिया कोलकत्ता को मिला।

मंगल प्रवचनों का लाभ

मंगल महोत्सव के दौरान सकल समाज को आध्यात्मिक सतपुरुष गुरुदेवश्री कानजी स्वामी एवं पण्डित डॉक्टर हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर के श्रीमुख से माँ जिनवाणी के रसास्वादन करने का सौभाग्य मिला जिसमे ज्ञायक भगवान आत्मा की महिमा बताई गई।

माता ने देखे सोलह स्वप्न

रात्रि कालिन सभा मे गर्भ कल्याणक के छह माह पूर्व सम्बन्धी इंद्र सभा एवं राज सभा लगाई गई पश्चात 56 कुमारिकाओं ने सुंदर नृत्यगान कर गर्भ कल्याणक की खुशियां मनाई एवं माता मरुदेवी के सोलह स्वप्नों का सुंदर चित्रण किया गया।

गर्भ कल्याणक महोत्सव

महोत्सव के अध्यक्ष विपिन शास्त्री एवं महामंत्री एस. पी. भारिल्ल ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिवस आज माघ कृष्ण अमावस्य 21 जनवरी को प्रातः 6 बजे मंगलगायन से महोत्सव का शुभारंभ होगा पश्चात प्रोढ़ कक्षा, शांति जाप, श्री जिनेन्द्र पूजन, मंगल प्रवचन, इंद्र सभा एवं राज सभा, घटयात्रा सहित पूरे दिन विविध अनुष्ठान होंगे रात्रि के समय माता एवं देवियों की सुंदर चर्चा कर गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।

लीनेस क्लब स्वरा ने बांटे गरम वस्त्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब जयपुर स्वरा ने सेवा कार्य के अंतर्गत इस कड़ाके की ठंड में चांदपोल बाजार के फुटपाथ पर रह रहे जरूरतमंद लोगों को गरम कपड़े भेंट किये। क्लब एडवाइजर अंजू जैन एवं अध्यक्ष स्वाति जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम की पुण्यार्जक अमृता सोनी रही।

टूटते परिवारों के दर्द की कहानी बयां कि जीवन संध्या ने

जयपुर. शाबाश इंडिया

आधुनिक समाज के टूटते हुए परिवारों और जीवन की संध्या में अकेले जीने को मजबूर बुजुर्ग माता-पिता के दर्द की तस्वीर को कलाकारों ने ऐसा जिया कि दर्शक सोचने पर मजबूर हो गए राजस्थान संगीत नाटक अकादमी एवं रविंद्र मंच सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में ज्योति कला संस्थान के सहयोग से आयोजित 3 दिवसीय एस वासुदेव स्मृति नाट्य समारोह में आज जीवन संध्या नाटक का सशक्त मंचन किया गया। त्रि दिवसीय नाट्य समारोह का उद्घाटन कला एवं संस्कृति मंत्री डॉक्टर बी डी कल्ला ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष बीना जैस मालू, उपाध्यक्ष अनीता ऑडियो अतिथि श्रीचंद खेतानी अध्यक्ष पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत और विशिष्ट अतिथि हरगुन दास नेभनानी अध्यक्ष सिंधु वेलफेयर सोसाइटी छबल दास नवलानी अध्यक्ष चेटीचंड मेला समिति भी उपस्थित थे।

द दीवास क्लब का कलेण्डर लांच

जयपर. शाबाश इंडिया

द दीवास क्लब का 2023 का कैलेंडर लॉच मशहूर सिलेब्रिटी परितोष त्रिपाठी और उनकी आने वाली फि ल्म मेरे पापा की टीम द्वारा किया गया। फाउंडर कीर्ति शर्मा ने बताया उनके क्लब की ब्रांड फेस आर. जे. देवांगना चौहान को घोषित किया गया। इस अवसर पर क्लब प्रेसिडेंट अनीता माथुर, वाईस प्रेसिडेंट अर्चना शर्मा और अन्य मुख्य अतिथि मनोज मुद्गल, हिमानी जॉली, सरस्वती प्रिन्टर्स के बसंत जैन, विनायक ज्वेलर्स, अवदेश माथुर, अजय शर्मा आदि मौजूद रहे । कैलेंडर मे क्लब मेंबर्स ने बतौर मॉडल पार्टिसिपेट किया और वहाँ क्लब मेंबर्स भूमी शर्मा, एंजेलीना जॉली, सपना फुटेला, सोनिया मल्होत्रा, कमला चतुवेर्दी, शशी चौधरी, प्रतिभा त्यागी, मीनाक्षी शर्मा आदि भी मोजूद रहे । इस कलेण्डर की विशेषता है कि क्लब के सदस्यों का ही फोटो शूट कर हर महीन के पेज पर लगाया है । जिससे उनको प्रोत्साहन मिले।

आदिनाथ मोक्ष कल्याणक मनाया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

देवाधिदेव युग प्रवर्तक 1008भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर कुचामन में आज श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर जी डीडवाना रोड पर सुबह 7 .30 बजे श्रावको ने कलशाभिषेक के पश्चात शान्ति धारा करने का सोभाग्य श्रीमती कमला देवी पाटोदी मातृश्री अमित कुमार मनोज कुमार पाटोदी को मीला। आदिनाथ विधान के पुणार्जक सुरेन्द्र कुमार सोरभ कुमार काला थे। इस अवसर पर भंवर लाल, झांझरी ,सुरेश कुमार पाड्या, सोहनलाल, माणकचन्द, काला, अशोक कुमार बज, रामेश्वर लाल, राजेश कुमार, प्रदीप कुमार गंगवाल ने भक्ति भाव से पुजन किया। सायंकाल 7 बजे नई नशीयाजी सब्जी मंडी में मुलनायक आदिनाथ भगवान के समक्ष भक्तामर का पाठ आरती का आयोजन श्री जैन वीर मण्डल के तत्वावधान में सकल जैन समाज द्वारा रखा गया यह जानकारी जैन समाज के सुभाष पहाड़ियां ने दी ।

जीवन जीने की कला सीखने के दिवस के रूप में मनाया आदिनाथ निर्वाणोत्सव

माघ- चतुर्दशी कृष्ण की, मोक्ष गये भगवान,
भवि जीवों को बोध के, पहुँचे शिवपुर थान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनक पुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में आज शुक्रवार को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का निर्वाणोत्सव जीवन जीने की कला सीखने के दिवस के रूप में भक्ति भाव के साथ मनाया गया । मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि श्रावकों ने प्रातः नित्य अभिषेक किए उसके बाद भगवान आदिनाथ की बीजाक्षरों के साथ विश्व शांति हेतु शान्तिधारा की गई । शांति धारा का सौभाग्य सुभाष गर्ग, सौभाग पाटनी, रमेश साखूनिया परिवार को प्राप्त हुआ । भगवान आदिनाथ की अष्ट द्रव्य के साथ पूजन भक्ति भाव के साथ की गई। इसके बाद निर्वाण काण्ड वाचन करके : माघ-चतुर्दशी कृष्ण की, मोक्ष गये भगवान । भवि जीवों को बोध के, पहुँचे शिवपुर थान॥ बोलते हुए मुख्य निर्वाण लाडू श्रीफल व दीपक सहित मुख्य वेदी पर तारा चंद गोधा परिवार द्वारा चढ़ाया गया । साथ ही गुम्बज में विराजित खड़गासन प्रतिमा पर सरदार मल काला परिवार द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। शाम को आरती के बाद चतुर्दशी पर 48 दीपक से भक्तामर दीप अर्चना की गई ।

सुजानगढ़ में आदिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर 1008 आदिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महावीर विद्या मंदिर के व्यवस्थापक महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि सर्वप्रथम भगवान के कलशाभिषेक व शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रतापमल सरोज कुमार छाबड़ा परिवार को मिला व भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित करने का सौभाग्य नेमीचंद पारसमल बगड़ा परिवार को मिला। इस अवसर पर आदिनाथ भगवान का विधान पूजन श्री दिगम्बर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा के निर्देशन में खूब भक्ति भाव से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित थे ।

लेकसिटी में नवरूप रजत ग्रुप की प्री-लॉन्चिंग

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यटन और झीलों के लिए दुनिया भर में ख्यात उदयपुर शहर के मध्य ''नवरूप रजत'' ग्रुप ने रेसिडेंशियल के साथ कॉमर्शियल प्लानिंग को प्री लांच किया। इस दौरान अतिथियों के रूप में राज्य के पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीचंद कृपलानी, उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा, चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख ममता कंवर, महापौर गोविन्द सिंह टाक, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा, एसपी विकास शर्मा, पूर्व विधानसभाध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, यूआईटी सचिव नितेंद्र सिंह, आरएएस हिम्मत सिंह बारहठ, शोभागपुरा सरपंच जशोदा डांगी सहित कई गणमान्य मौजूद थे। पत्रकारों से बातचीत में कंपनी के तुषार मेहता ने बताया कि 3 टावर वाली इस प्लानिंग में कॉमर्शियल और रेसिडेंशियल दोनों तरह के यूनिट्स होंगे। सौ फीट रोड पर नवरूप एम्पायर में पहले तीन फ्लोर तक कॉमर्शियल शोरूम व ऑफिस, ऊपर स्टूडियो अपार्टमेन्ट के साथ एक, दो और तीन बीएचके फ्लैट्स होंगे। जिसमें स्वीमिंग पूल, इनडोर गेम्स, जिम, गार्डन, योग हॉल आदि मुख्य सभी एमिनिटीज मिलेगी। एम्पायर में तीन लेवल पार्किंग रहेगी। कंपनी के नरेंद्र मेहता ने बताया कि इसी प्रकार अन्य दो टावर नवरूप संगम ए और बी विंग बनेंगे। इनमें अल्ट्रा लग्जीरियस तीन और चार बीएचके फ्लैट्स रहेंगे। साथ ही क्लब हाउस, मिनी थियेटर, जकूजी, इनडोर गेम्स, आउटडोर गेम्स, बैंक्वेट हॉल, भव्य मंदिर , गेस्ट वेटिंग लॉबी, गेस्ट वेटिंग एरिया, रिसेप्शन, कार वॉश एरिया, लाइब्रेरी, स्वीमिंग पूल, स्कूल ड्राप ऑफ, किड्स प्ले एरिया, योगा द मैडिटेशन हॉल तथा गेस्ट बैडरूम आकर्षण का केंद्र रहेंगे ताकि किसी फ्लैट ऑनर के यहां आए अतिरिक्त मेहमान को ठहरा सके। इन दोनों टावर में कुल 120 फ्लैट्स जो कि विद सर्वेंट और विदाउट सर्वेंट रूम के दोनों तरह के फ्लैट उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा सिंगल बेसमेंट और मैकेनिकल पार्किंग भी दी जाएगी। कंपनी के योगेश ने बताया कि रेरा और अन्य सभी सरकारी एजेंसियों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रोजेक्ट सभी बुनियादी सेवाओं से युक्त होगा। रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

श्रीश्री राधा गिरधारी उपवन मंदिर का शिलान्यास 22 जनवरी को

इस्कॉन मंदिर 10 मील के दायरे में प्रतिदिन निःशुल्क प्रसादम वितरण की योजना

उदयपुर. शाबाश इंडिया

इन्टरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस द्वारा नाथद्वारा रोड़ स्थित मोहनपुरा चीरवा गांव में बनने वाले इस्कॉन मंदिर श्रीश्री राधा गिरधारी उपवन का शिलान्यास 22 जनवरी रविवार को होगा। इस अवसर पर गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज एवं देवकीनंदन प्रभु महाराज मौजूद रहेंगे। परियोजना निदेशक मदन गोविंदा दास ने बताया कि इस्कॉन एक वैश्विक संगठन है जो सनातन धर्म की रक्षा, प्रचार, समर्थन और उन्नति के लिए काम करता है और उसी प्रयास में उदयपुर में एक बहुत ही अनूठा और प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र, इस्कॉन कोवे (वैदिक केंद्र और योग केंद्र) के साथ आ रहा है। एक बहुत ही प्रमुख और महत्वपूर्ण स्थान मोहनपुरा, चिरवा में एक पहाड़ी के ऊपर, यह स्थान शांति और निकटता का आदर्श संगम बनेगा। उन्होंने बताया कि यह परियोजना न केवल उदयपुर निवासियों की बल्कि भारत और शेष विश्व के लोगों को भी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान करेगी। साथ ही यह परियोजना विशेष रूप से नाथद्वारा और एकलिंगजी जैसे स्थानों पर पर्यटन को बढ़ावा भी देगी। सतिन्दर महाजन ने बताया कि यह प्रतिष्ठित मंदिर देश-दुनिया के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस परियोजना में आसपास के गांवों के ग्रामीण विकास की योजना भी है। रवि बर्मन ने बताया कि इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रीलप्रभुपाद की इच्छानुसार मंदिर के 10 मील के भीतर कोई भी भूखा न रहे इसके लिये मंदिर उदयपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक निःशुल्क प्रसादम वितरित करेगा। परियोजना का सबसे सुंदर पहलू मंदिर का बिल्डिंग स्ट्रक्चर इको फ्रेंडली होना है। यह परियोजना चीरवा सुरंग के ठीक बाद एक पहाड़ी की चोटी पर सुंदर 3.5 एकड़ भूमि पर फैली होगी। जिसमें आश्रम, श्री श्री राधा गिरिधारी मंदिर, युवाओं और कॉर्पोरेट पेशेवरों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ बच्चों से वरिष्ठ नागरिकों तक सभी उम्र के लिए पूरी तरह से सुसज्जित सभागार के साथ वैदिक शिक्षा केंद्र, मेहमान घर, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, वृंदावन के द्वादश उद्यान, गोवर्धन परिक्रमा,यमुना रानी,यूथ हॉस्टल, गोविंदा का शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट, और भविष्य में गोशाला और बच्चों को कम उम्र से ही सशक्त बनाने के लिए एक पूर्ण विकसित गुरुकुल बनाने की भी योजना है। राहुल बर्मन ने बताया कि इस परियोजना का नेतृत्व सभी क्षेत्रों के बहुत ही विद्वान और अनुभवी लोगों की एक टीम के रूप में परियोजना निदेशक मदन गोविंदा दास, सलाहकार समिति अध्यक्ष एवं व्यवसायी रवि बर्मन, सुतिंदर महाजन, रोटेरियन राकेश माहेश्वरी, रोटेरियन एवं व्यवसायी प्रदीप गुप्ता सहित सलाहकार समिति के कई अन्य कार्यकारी सदस्य जो इस परियोजना को पूरा करने के लिए महान अनुभव और ज्ञान के साथ आते हैं। प्रदीप गुप्ता ने बताया कि प्रसिद्ध वास्तुकार सुनील एस. लड्ढा ने पूरी परियोजना को एक अद्भुत वृंदावन थीम के साथ डिजाइन किया है। इस परियोजना को 30 से 35 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट के साथ 4 साल के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता इस्कॉन ग्लोबल जीबीसी (शासी निकाय आयोग) जैसे इस्कॉन के नेताओं द्वारा की जाएगी। इस दौरान राजस्थान, यूपी, बिहार, झारखंड के क्षेत्रीय सचिव परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज, राजस्थान के क्षेत्रीय सचिव देवकीनंदन दास, मेवाड़ क्षेत्र के जोनल पर्यवेक्षक परम पूज्य भक्ति प्रचार परिवाजका महाराज, इस्कॉन जयपुर अध्यक्ष परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज, परम पूज्य पंचरत्न प्रभुजी सहित उदयपुर के कई गणमान्य मौजूद रहेंगे।

रिपोर्ट/फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर हुआ भव्य भक्तामर दीप अर्चना का कार्यक्रम

आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य मे संघी जी के मंदिर सांगानेर मे हुआ भव्य आयोजन, 48 मण्डल पर 48 दीपो से हुई महा अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन संघी जी के मन्दिर सांगानेर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ स्वामी के निवाणोत्सव के शुभ अवसर पर शुक्रवार, 20 जनवरी को आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य मे 48 दीपक से 48 मंडलीय श्री भक्तामर दीप महाअर्चना का भव्य आयोजन किया गया। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की इस दीप अर्चना में 48 मण्डल पर जयपुर की 48 कालोनियों के श्रावको ने 48 दीप संगीत की मधुर स्वर लहरियो के बीच प्रज्वलन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। सायकाल 6 बजे से आयोजित समारोह मे संगीतमय प्रस्तुती श्री विद्या सागर यात्रा संघ द्वारा की गई तथा आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य का भी श्रावको को लाभ प्राप्त हुआ। संस्था के मंत्री सुनील पहाडिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शान्तिकुमार - ममता सोगनी ने प्रथम दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया । मुख्य मंडल पर मंगल कलश संस्था के प्रदेश अध्यक्ष पदम बिलाला ने मंत्रोचार के साथ स्थापित किया । विशिष्ट अतिथि कांता - रश्मि कांत सोनी ,राकेश जैन मधोराजपुरा वाले तथा वीर चंद गजेंद्र बडजात्या ने भी मुख्य मंडल पर क्रमश दीप प्रज्वलित किया । सभी संस्थाओ को उनके द्वारा मंडल पर स्थापित मगल कलश को उन्हें स्मृति स्वरूप भेट किया गया।

आदिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों की ओर से को जैन धर्म के पहले तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का निर्वाण कल्याणक श्रद्धापूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा नगर के मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में विराजित 157 वर्ष प्राचीन आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर स्वर्णकलशो से महामस्तकाभिषेक किया गया। तत्पश्चात रिद्धि-सिद्धि मंत्रों से शांतिधारा की गई व विशेष पूजा-अर्चना के साथ निर्वाण मोदक चढ़ाया गया। सायं 7 बजे महाआरती की गई व महिला मण्डल की ओर से रिद्धि-सिद्धि मंत्रों से युक्त भक्तामर पाठ किया गया।

संत ग्रेगोरियस की अम्बर को मिला इंस्पायर अवार्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संत ग्रेगोरियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मेधावी छात्रा अम्बर जैन (कक्षा 8) को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान -भारत द्वारा साइंस प्रोजेक्ट 'ट्री कटिंग सेन्सर' के लिए इंस्पायर अवार्ड -मानक अर्थात अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान खोज में नवोन्नेश हेतु अवार्ड प्रदान कर जिला स्तर पर सम्मानित किया है ।अम्बर ने यह परियोजना स्कूल के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता सत्य भूषण शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार कर प्रस्तुत की । अम्बर अब इस परियोजना का प्रदर्शन राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली विज्ञान प्रदर्शनी में करेंगी । वहीं जिला स्तर पर स्कूल की अन्य मेधावी छात्रा लब्धि सोनी (कक्षा 8) द्वारा प्रस्तुत विज्ञान परियोजना 'सक्सेशन साइंस -आर फिंगरप्रिंट पैटर्न्स इनहेरिटेड' भी सराहनीय रही ।स्कूल प्राचार्या प्रीती माथुर एवं उप -प्राचार्या शुभा जोस ने छात्राओं की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की ।

माघ चतुर्दशी कृष्ण को मोक्ष गए भगवान के साथ आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। माघ कृष्ण चतुर्दशी को मोक्ष गए भगवान के जयघोष के साथ आज दिनांक 20 जनवरी को देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण के सुअवसर पर श्री 1008 नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमिसागर कालोनी में निर्वाण लड्डू हर्षोल्लास के साथ चढ़ाया गया। इस अवसर पर शांतिधारा कर समृद्धि एवं विश्व शांति की कामना की गई। इस अवसर पर जे के जैन कालाडेरा, डी सी जैन, नेमीचंद ठोलियां, प्रदीप निगोतिया, संजीव कासलीवाल, पदम पहाड़ियां, पूनम ठोलिया, विजय जैन व समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इसी क्रम में सांयकाल आरती के पश्चात 48 दीपकों से रिद्धि सिद्धि मंत्र युक्त भक्तामर पाठ का भव्य आयोजन किया गया। भक्तामर पाठ के पुण्यार्जक ठोलिया परिवार रहे।

आदिनाथ मोक्ष कल्याणक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

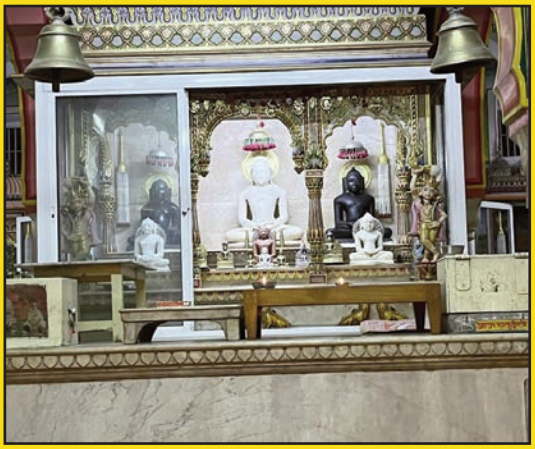

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मन्दिर आदिनाथ स्वामी बख्शीजी बख्शीजी का चौक रामगंज बाजार जयपुर में आदिनाथ मोक्ष कल्याणक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्ष सुनील बख्शी ने बताया सुबह अभिषेक शांतिधारा एवम आदिनाथ पूजन की गई तत्पश्चात मोक्षकल्याणक लाडू चढ़ाया गया। सांय 7:30 बजे से महाआरती एवम 48 दीपकों द्वारा भक्तामर पाठ का वाचन किया गया।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी में धूमधाम से मनाया भगवान आदिनाथ निर्वाण महोत्स, संतों ने किया केशलोंच

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में राष्ट्रसंत, आचार्यश्री 108 सुनीलसागरजी महाराज के चतुर्विध संघ के पावन एवं मांगलिक सानिध्य में कैलाश पर्वत की अद्भुत सरंचना के मध्य देवाधिदेव प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 आदिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव में बड़े ही आनन्द के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया। दिगम्बर जैन श्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद पहाडिया, अजय विजय कटारिया, उत्तम तपेश पाण्ड्या, कैलाश कमल कुमार किशनगढ़ रेनवाल, ज्ञानचन्द जी अशोक सौगाणी, प्रेमचन्द जी महावीर बज आदि महानुभावों ने श्रीजी के कलश किए और मुख्य निर्वाण लाडू चढाने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर विशाल जनसमूह के मध्य परम पूज्य मुनिश्री संतृप्तसागरजी, संपूज्यसागरजी, संप्रज्ञसागरजी महाराज, आर्यिका श्री आराध्यामति माताजी एवं क्षुल्लक श्री संतोषसागरजी महाराज ने जैनधर्म चर्या का निर्वाह करते हुए केशलोंच किए। इस अवसर पर धर्मसभा को संबाधित करते हुए आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज ने प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव भगवान आदिनाथ के निर्वाण महोत्सव पर अपने आशीर्वचनों में कहा कि आदिनाथ जी का जन्म अयोध्या में

हुआ था, कई सालों तक राजकार्य किया धमार्नुसार अपनी प्रजा का पालन किया और जब वैराग्य उत्पन्न हुआ तो वीतरागी जीवन से अपने को धन्य किया और संसार में वीतरागी परम्परा की स्थापना की। आज मन्दिरों में ही नही जन-जन के हृदय में विराजमान है आदिनाथ भगवान। वीतरागी परम्परा बहुत ही निर्मल होती है। निर्वाण शब्द का सरलीकरण करते हुये आचार्यश्री ने कहा कि 8 कर्मरूपि बाणों से मुक्त हो जाना ही निर्वाण होता है। हमें भी यदि सारे दुखों से छुटकारा चाहिये तो आदिनाथ की तरह वीतरागी होना पडेगा। वीतराग विज्ञान का मार्ग है। फिजूल की बातों से तो संसार की वृद्धि होती है और वीतरागी बातों से संसार की समाप्ति होती है। सांगानेर संघीजी मन्दिर में आचार्य संघ के मांगलिक सानिध्य में कैलाश पर्वत की अद्भुत सरंचना के मध्य में 48 मण्डलीय श्री भक्तामर दीप महाअर्चना के साथ यह महा-उत्सव मनाया जा रहा है। मंच संचालन विद्वान पंडित श्री किरण प्रकाश जैन ने एवं मंत्रोच्चार नवीन जैन शास्त्री ने किया।

शिविर में 118 मरीजों ने कराई आंखों की जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 122 वां निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर विद्याधर नगर स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। शिविर में 118 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई जिसमें 61 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किया गया एवं 04 व्यक्तियों को ऑपरेशन और एक फेको सर्जरी के लिए चयनित किया गया। इस मौके पर संस्था के सदस्य नथमल बंसल, अंबिका प्रसाद बंका, अनिल कुमार सिंगडोदिया, राम सुंदर जयपुरिया , नाथूराम बीजाका , दिलीप अग्रवाल, मुकेश मीना, मुकेश पोद्दार, हीरा लाल व नाथू आदि ने सेवाएं दी।

श्री1008 भक्तामर महामण्डल विधान का आयोजन हुआ

गया, बिहार. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ निर्माण महा महोत्सव पर श्री1008 भक्तामर महामण्डल विधान प.पू. झारखण्ड राजकीय अतिथि श्रमण मुनि विशल्यसागर जी गुरुदेव के मंगल सन्निध्य एवं आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा कि नये वर्ष की शुरूआत हम हमारे प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के निर्वाण उत्सव के साथ मना रहे हैं। प्रभु भक्ति हमें निरन्तर करते रहना चाहिए क्योंकि प्रभु की भक्ति तीर्थंकर प्रकृति में कारण है। हम सोलह कारण भावना पढ़ते है सबसे ज्यादा उसमें भक्ति की ही बात गई । आचार्य भक्ति, प्रवचन भक्ति , श्रुत भाक्ति आदि आप्त की भक्ति हमें आत्मा के पास ले जाती है आत्मा से मिलन कराती है । जन्म - जन्म के संचित पाप नष्ट करने में भक्ति प्रमुख कारण है परमात्मा की भक्ति परमत्मा के पास ले जाती है लेकिन प्रभु की भाक्ति निःकाक्षित भाव से करना चाहिए तभी वह भाक्ति शिव से शिवालय तक की यात्रा कराती है। आज भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस हम सभी बड़े ही आनंद और उल्लास के साथ मना रहे है। इसी के अन्तर्गत श्रावक, श्राविकाओं के द्वारा 48 दीपकों से महाआर्चना (आरती)भी की सभी कार्यक्रम अलका दीदी ओर भारती दीदी के सानिध्य में हुआ।